सीमेंट का उत्पादन और उसकी माग

२०७. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या **इस्पात तथा भारी उद्योग** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) गत तीन वर्षो मे प्रति वर्ष देश मे कितना सीमेंट तैयार हुआ और देश मे प्रतिवर्ष उसका खर्च क्या है, और

(ख) क्या चालू वर्ष मे सीमेंट की कोई नई फैक्टरिया खुलने वाली है, और यदि खुलने वाली है, तो वे कब तक तथा कहा कहा खुलेगी और उनका अनुमानित सालाना उत्पादन क्या होगा ?

†[PRODUCTION AND DEMAND OF CEMENT

207 SHRI B N BHARGAVA Will the Minister of STEEL AND HEAVY INDUSTRIES be pleased to state

(a) the quantity of cement produced in the country during each of the last three years and the quantity of annual requirement of cement in the country, and

(b) whether any new cement factories are going to be set up during the current year, and if so, by when they will be set up and at what places, and what will be their estimated annual production?]

इस्पात तथा भारी उद्योग मत्री (श्री सी० सुब्रह्मण्यम) (क) गत तीन वर्षों मे प्रति वर्ष देश मे उत्पादित सीमेंट की मात्रा तथा माग की मात्रा, जो विभिन्न राज्यो तथा केन्द्रीय प्राधिकारियो से प्राप्त हुई, का ब्यौरा इस प्रकार है --

	माग	उत्पादन
	मि० टन	मि० टन
१९५९	८ ०७	६ ९३
१९६०	९ २६	७ ८४
१९६१	१६ ५९	८२ ५

ताहम प्रशुल्क-आयोग ने यह अनुमान लगाया है कि १९६१ म वास्तविक माग केवल ९ मिलियन टन के लगभग थी ।

(ख) चालू वर्ष मे दो नई सीमेंट फैक्टरिया लगाने की सभावना है । इनमे से पहली फैक्टरी मैसूर राज्य मे अम्मासान्द्रा मे लगाई जायेगी जिसकी जुलाई १९६२ तक कार्यारम्भ करने की सभावना है । इस फैक्टरी की आरम्भिक अधिष्ठापित क्षमता १,००,००० टन प्रति वर्ष होगी । दूसरी फैक्टरी के चालू वर्ष के अन्त तक कार्यारम्भ करने की सभावना है । यह जम्मू और काश्मीर राज्य के बूयान नामक स्थान मे लगाई जायेगी इसकी अधिष्ठापित क्षमता २० ००० टन प्रति वर्ष होगी ।

†[THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI C SUBRAMANIAM) (a) The quantity of cement produced in the country and the quantity of demand, as received from the various authorities, State and Central, during each of the last three years are as follows

	Demand million tonnes	*Production* million tonnes
1959	8 07	6 93
1960	9 26	7 84
1961	16 59	8 25

It has, however, been estimated by the Tariff Commission that the effective demand during 1961 was only about 9 million tonnes

(b) Two new cement factories are expected to be set up during the current year The first of these is likely to be commissioned by July, 1962 and will be at Ammasandra in Mysore State The initial installed capacity of the factory will be 100,000 tons a year The second factory is likely to be commissioned by the end of the

†[ ] English translation

current year and will be at Wuyan in Jammu and Kashmir State. The installed capacity of this factory will be 20,000 tons a year.]

तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के वेतन-क्रम

२०८. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली प्रशासन के अधीन तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार नये वेतन क्रम दे दिये गये है ;

(ख) यदि हां, तो कब से ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसका क्या कारण है और उन्हें नये वेतन क्रम कब देने का विचार है ?

†[PAY SCALES OF TEHSILDARS AND NAIB TEHSILDARS

208. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Tehsildars and Naib Tehsildars under the Delhi Administration have been granted new pay scales in accordance with the recommendations of the Pay Commission;

(b) if so, since when; and

(c) if not, the reason therefor and when the new scales are proposed to be granted to them?]

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार) : (क) से (ग) दिल्ली में तहसीलदारों तथा नायब-तहसीलदारों के पद सामान्यत: पंजाब सरकार के उपयुक्त अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति द्वारा भरे जाते है । इन पदधारियों को जिनमें वे भी शामिल हैं जो प्रतिनियुक्ति पर नही है, समय समय पर पंजाब मे दिया जाने वाला तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारो के पदो का वेतन क्रम तथा पंजाब की दर से महगाई भत्ता और इसके अतिरिक्त वे अन्य भत्ते दिये जाते है जो उनके दर्जे के केन्द्रीय सरकार के अधिकारियो के लिये स्वीकृत है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): (a) to (c) The posts of Tehsildars and Naib-Tehsildars in Delhi are generally filled by the deputation of suitable officers from the Government of Punjab. The incumbents of these posts, including those who are not on deputation, are allowed pay in the scales of pay attached to the posts of Tehsildars and Naib Tehsildars from time to time in Punjab plus dearness allowance at Punjab rates plus other allowances sanctioned for Central Government Officers of comparable status while working in Delhi.]

दिल्ली प्रशासन के अधिकारी जिनका सेवा काल बढ़ाया गया

२०९. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली प्रशासन के ऐसे कितने अधिकारी हैं जिनका गत तीन वर्षो में सेवा काल बढ़ाया गया या जिन्हें पुन: नौकरी पर लगाया गया और कितने वर्ष के लिये उनका सेवा काल बढ़ाया गया या उनको पुन: नौकरी पर रखा गया ?

†[OFFICERS OF DELHI ADMINISTRATION GRANTED EXTENSION OF SERVICE

209. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state the number of those

†[ ] English translation.